Daily Gospel Reflections in Hindi

30 June 2019

लूकस 6:27-36

LOVE FOR THE ENEMIES

आज के सुसमाचार में येसु कहते है कि ईश्वर की संतान का व्यवहार कैसे होता है। येसु बारह प्रेरितों को चुनने के बाद जब पहाड़ी से उतरे तब एक विशाल जनसमूह आ गया। उस समय येसु उन्हें आशीर्वचन और शत्रुओं से प्रेम के बारे में समझाने लगे।

येसु कहते है शत्रुओं से प्रेम करो, जो तुम्हें शाप देते है उनको आशिर्वाद दो। इसका मतलब है कि हमें सबो से प्यार करना है। किसी के प्रति दिल में नफरत नहीं होनी चाहिए। इसका कारण यह है कि पिता ईश्वर कृतघ्नों और दुष्टों पर दया करता है। हम सभी ईश्वर के पुत्र और पुत्री है। इसलिए हमारा व्यवहार भी ईश्वर के जैसे होना चाहिए।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019